

# WHAT IS CHURCH?

1

---

---

---

---

---

---

---

- WE ARE HIS BODY (PURPOSE/FUNCTION)
- WE ARE HIS BRIDE (INTAMACY)
- WE ARE HIS FAMILY (FELLOWSHIP)

2

---

---

---

---

---

---

---

- MISSION
- DISCIPLESHIP
- COMMUNITY
- EQUIPPING
- WORSHIP/PRAYER

3

---

---

---

---

---

---

---

# WORSHIP

4

---

---

---

---

---

---

---

<sup>19</sup>“SIR,” THE WOMAN SAID, “I CAN SEE THAT YOU ARE A PROPHET. <sup>20</sup>OUR ANCESTORS WORSHIPED ON THIS MOUNTAIN, BUT YOU JEWS CLAIM THAT THE PLACE WHERE WE MUST WORSHIP IS IN JERUSALEM.”  
<sup>21</sup>“WOMAN,” JESUS REPLIED, “BELIEVE ME, A TIME IS COMING WHEN YOU WILL WORSHIP THE FATHER NEITHER ON THIS MOUNTAIN NOR IN JERUSALEM. <sup>22</sup>YOU SAMARITANS WORSHIP WHAT YOU DO NOT KNOW; WE WORSHIP WHAT WE DO KNOW, FOR SALVATION IS FROM THE JEWS.

5

---

---

---

---

---

---

---

<sup>23</sup>YET A TIME IS COMING AND HAS NOW COME WHEN THE TRUE WORSHIPERS WILL WORSHIP THE FATHER IN THE SPIRIT AND IN TRUTH, FOR THEY ARE THE KIND OF WORSHIPERS THE FATHER SEEKS. <sup>24</sup>GOD IS SPIRIT, AND HIS WORSHIPERS MUST WORSHIP IN THE SPIRIT AND IN TRUTH.”

JOHN 4:19-24

6

---

---

---

---

---

---

---



7

---

---

---

---

---

---

---

<u>SPIRIT</u>	<u>TRUTH</u>
FROM THE HEART	
ENGAGES YOUR WHOLE PERSON	
EMPOWERED BY THE HOLY SPIRIT	

8

---

---

---

---

---

---

---

<u>SPIRIT</u>	<u>TRUTH</u>
FROM THE HEART	INFORMED BY GOD'S WORD
ENGAGES YOUR WHOLE PERSON	AUTHENTIC AND SINCERE
EMPOWERED BY THE HOLY SPIRIT	OBEDIENT LIVING

9

---

---

---

---

---

---

---

# WORSHIP

10

---

---

---

---

---

---

---

## • PUT ON YOUR ROBES

11

---

---

---

---

---

---

---

<sup>9</sup> BUT YOU ARE A CHOSEN PEOPLE, A ROYAL PRIESTHOOD, A HOLY NATION, GOD'S SPECIAL POSSESSION, THAT YOU MAY DECLARE THE PRAISES OF HIM WHO CALLED YOU OUT OF DARKNESS INTO HIS WONDERFUL LIGHT.

1 PETER 2:9

12

---

---

---

---

---

---

---

- PUT ON YOUR ROBES

13

---

---

---

---

---

---

---

- PUT ON YOUR ROBES
- CHOOSE TO CLIMB THE MOUNTAIN

14

---

---

---

---

---

---

---

<sup>1</sup>THE EARTH IS THE LORD'S, AND EVERYTHING IN IT,  
THE WORLD, AND ALL WHO LIVE IN IT;  
<sup>2</sup>FOR HE FOUNDED IT ON THE SEAS  
AND ESTABLISHED IT ON THE WATERS.  
<sup>3</sup>WHO MAY ASCEND THE MOUNTAIN OF THE LORD?  
WHO MAY STAND IN HIS HOLY PLACE?  
<sup>4</sup>THE ONE WHO HAS CLEAN HANDS AND A PURE HEART,  
WHO DOES NOT TRUST IN AN IDOL  
OR SWEAR BY A FALSE GOD.

15

---

---

---

---

---

---

---



<sup>5</sup> THEY WILL RECEIVE BLESSING FROM THE LORD  
AND VINDICATION FROM GOD THEIR SAVIOUR.  
<sup>6</sup> SUCH IS THE GENERATION OF THOSE WHO SEEK HIM,  
WHO SEEK YOUR FACE, GOD OF JACOB.  
<sup>7</sup> LIFT UP YOUR HEADS, YOU GATES;  
BE LIFTED UP, YOU ANCIENT DOORS,  
THAT THE KING OF GLORY MAY COME IN.  
<sup>8</sup> WHO IS THIS KING OF GLORY?  
THE LORD STRONG AND MIGHTY,  
THE LORD MIGHTY IN BATTLE.

16

---

---

---

---

---

---

---

<sup>9</sup> LIFT UP YOUR HEADS, YOU GATES;  
LIFT THEM UP, YOU ANCIENT DOORS,  
THAT THE KING OF GLORY MAY COME IN.  
<sup>10</sup> WHO IS HE, THIS KING OF GLORY?  
THE LORD ALMIGHTY —  
HE IS THE KING OF GLORY.

PSALM 24:1-10

17

---

---

---

---

---

---

---

- PUT ON YOUR ROBES
- CHOOSE TO CLIMB THE MOUNTAIN

18

---

---

---

---

---

---

---

- PUT ON YOUR ROBES
- CHOOSE TO CLIMB THE MOUNTAIN
- REFUSE THE DISCOUNT

19

---

---

---

---

---

---

---

<sup>1</sup> I WILL PRAISE THE LORD NO MATTER WHAT HAPPENS. I WILL CONSTANTLY SPEAK OF HIS GLORIES AND GRACE. <sup>2</sup> I WILL BOAST OF ALL HIS KINDNESS TO ME. LET ALL WHO ARE DISCOURAGED TAKE HEART. <sup>3</sup> LET US PRAISE THE LORD TOGETHER AND EXALT HIS NAME.

PSALM 34:1-3

20

---

---

---

---

---

---

---

- PUT ON YOUR ROBES
- CHOOSE TO CLIMB THE MOUNTAIN
- REFUSE THE DISCOUNT

21

---

---

---

---

---

---

---